डिक्टेशन – 99

सभापति महोदया, जनगणना कर्मियों को उनके असाधारण और उत्कृष्ट कार्य के लिए 'जनगणना पदक' तथा 'सम्मान पत्र'[420] प्रदान करने के लिए यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह जनगणना 2011 के संचालन के कार्य में[440] लगे हुए सभी लोगों के कठोर परिश्रम का ही परिणाम है कि इस संस्थान के इतिहास के पन्नों में एक[460] और शानदार अध्याय जुड़ गया है। जनगणना कार्मिक इस विशाल कवायद को शानदार सफलता में बदलने के लिए अत्यंत विकट[480] भू-भाग तथा विपरीत परिस्थितियों में परिश्रम करते हैं। मुझे जनगणना कर्मियों को, उनके द्वारा असाधारण उत्साह, कार्य की उच्च गुणवत्ता[500] तथा कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए जनगणना पदक तथा सम्मान पत्र प्रदान करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है। मैं[520] सभी जनगणना पदक विजेताओं को बधाई देता हूं और उनके भावी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

भारत की जनगणना[540] संचालन की एक लम्बी और समृद्ध परंपरा है। हमारे देश में जनगणना संचालन का प्राचीनतम संदर्भ **कौटिल्य** के 'अर्थशास्त्र' में[560] और इसके बाद **अकबर** के समय में **'आइन-ए-अकबरी'** में अबुल फजल के लेखों में मिलता है। तथापि, अपने आधुनिक वैज्ञानिक[580] स्वरूप में सबसे पहली व्यवस्थित और आधुनिक जनगणना देश में 1865 से 1872 के बीच असमकालिक ढंग से आयोजित की[600] गई थी। भारत में पहली बार समकालिक जनगणना 1881 में आयोजित हुई थी। इस प्रकार यदि 1872 के बाद से[620] गणना की जाए तो 2011 की जनगणना इस शृंखला की 15वीं जनगणना थी। 1872 से आज तक बिना विराम लगातार[640] सफलतापूर्वक जनगणना का आयोजन भारतीय जनगणना को विशिष्ट तथा अद्वितीय बना देता है।

एक बहु-जातीय, बहु-भाषी तथा बहु-सांस्कृतिक समाज को[660] देखते हुए भारत में जनगणना कराना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस कवायद की जटिलता की कल्पना इसी तथ्य से की[680] जा सकती है कि जनगणना की अनुसूची 16 भाषाओं में प्रसारित की गई थी तथा 18 भाषाओं में प्रशिक्षण दिया[700] गया। देश के 35 राज्यों और सात हजार शहरों तथा आठ लाख लाख गांवों में जनगणना करने के लिए लाखों[720] गणनाकर्ता तथा पर्यवेक्षक लगाए गए थे। 2011 की जनगणना की विशेष बात यह थी कि इसमें घरों की गणना संबंधी[740] अनुसूचियों के साथ ही राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर को तैयार करने के लिए अनुसूचियां भी वितरित की गई थी।[760] मैं इस जनगणना कार्य में सहयोग देने के लिए अपने सभी देशवासियों को बधाई देता हूं। उनके सक्रिय और[780] संपूर्ण सहयोग के बिना इस विशाल कार्य को केवल 21 दिनों में पूरा करना संभव नहीं हो पाता।[800]